* U A - 0 1 1 1 *

UA-0111

Third Year B. A. Examination

February/March – 2012

Hindi : Paper - II

(हिंदी निबंध एवं अन्य गद्यविद्याएं)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **T. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **HINDI : PAPER - 2**

☛ Subject Code No. : **0 1 1 1** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक रखे हैं।

१ 'क्रोध' निबंध की विशेषताएँ उद्‌घाटित कीजिए। १४

अथवा

१ 'साहित्य की महत्ता' निबंध में ज्ञाति विशेष के लिए साहित्य का महत्व निरूपित हुआ है। स्पष्ट कीजिए। १४

२ जीवन का अर्थ सर्वनाश या पतन है। 'बूढापा' निबंध के परिप्रेक्ष्य में इस विधान की समीक्षा कीजिए। १४

अथवा

२ 'मेरी वसीयत' निबंध में नेहरूजी का देशप्रेम व्यक्त हुआ है। सोदाहरण बताइए। १४

३ 'साहित्य की महत्ता' निबंध में साहित्य प्रेम के साथ देशप्रेम भी व्यक्त हुआ है। सिद्‌ध कीजिए। १४

अथवा

३ रेखा चित्र के तत्वों के आधार पर 'आईने के सामने' की समीक्षा कीजिए। १४

४ टिप्पणियाँ लिखिए : १४

(१) 'देवदारू' निबंध की भाषा–शैली

अथवा

'पहला सफेद बाल' निबंध में निहित व्यंग्य।

(२) 'त्रिशंकु बेचारा' शीर्षक।

अथवा

'संस्कार और भावना' का उदेश्य।

५ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(अ) ''कोई भी धर्म – सम्प्रदाय आचरण–रहित पुरुषों के लिए कल्याणकारक नहीं हो सकता आचरण वाले पुरुषों के लिए सभी धर्म – सम्प्रदाय कल्याणकारक है।''

अथवा

(अ) ''जिसे आप माने, आत्मगौरव और धर्माचरण कहते है, वह भी रुपयों के लिए है और रुपये से सधता है। बडे से बडे मनस्वी, तपस्वी, संयमी, नयशील सब रुपये के लिए तपस्या इत्यादि से हाथ धो बैठते है।''

(ब) ''तुम कुछ माँग लो। तुम्हारा मुझ पर ऋण है। बालक का पिता जन्मदाता है और दूसरा विद्या देने वाला। तुमने लड़के को पढाई–लिखाई के सिवा यह अमूल्य विद्या भी सिखाई है कि सफलता कैसे प्राप्त करनी चाहिए ? तुम्हारा दर्जा मुझसे भी ऊंचा है। बोलो तुम्हे क्या चाहिए।''

अथवा

(ब) ''उस तट पर किसी गुरु को किसी शिष्य से कभी ऐसी दक्षिणा मिली ऐसा मुझे विश्वास नहीं, परंतु उस दक्षिणा के सामने संसार के अब तक सारे आदान–प्रदान फीके जान पडे।''